

भारत सरकार
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.270

मंगलवार, 04 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए नियत

उत्कृष्टता केन्द्र

270. श्रीमती अपराजिता सारंगी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में अब तक उन्नत विनिर्माण में उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) अगले दो वर्षों में सरकार द्वारा खोले जाने वाले नए उत्कृष्टता केन्द्रों का ब्यौरा क्या है और इन उत्कृष्टता केन्द्रों के उद्देश्य और मुख्य कार्य क्या है; और
- (ग) इन उत्कृष्टता केन्द्रों में किस प्रकार विनिर्माण प्रोन्नति को निजी उद्योगों को हस्तांतरित किया जाएगा?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क) से (ग): “भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता की वृद्धि” स्कीम के अंतर्गत आठ उत्कृष्ट केन्द्रों (सीओई) को निम्न स्थानों पर स्थापित किया गया है:

- i. मशीन टूल्स और निर्माण प्रौद्योगिकी हेतु ग्यारह उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास करने के लिए आईआईटी मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु।
- ii. वस्त्र सेक्टर के लिए शटलरहित रपियर्स करघों के विकास हेतु केन्द्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बैंगलोर, कर्नाटक।
- iii. 5 घन मीटर हाइड्रॉलिक एक्सकैवेटर के विकास के लिए हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी), राँची, झारखंड।
- iv. इस्पात उद्योग, रोबोटिक्स, योज्य विनिर्माण और स्मार्ट विनिर्माण से संबंधित सात विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए आईआईटी खडगपुर, पश्चिम बंगाल।
- v. वेल्डिंग रोबोट्स सहित तीन नई वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए पीएसजी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु।
- vi. उच्च गति वाले स्मार्ट समरसिबल (6 इंच) पम्प्स के विकास के लिए सिटार्क, कोयम्बटूर, तमिलनाडु।
- vii. इलेक्ट्रॉनिक बीम प्रक्रिया के द्वारा उच्च निष्पादन मेटालिक एलॉयज हेतु योज्य विनिर्माण के विकास के लिए आईआईएससी, बैंगलोर, कर्नाटक।
- viii. वस्त्र मशीनरी के लिए प्रक्रियाधीन रोबोटिक्स के विकास हेतु आईआईटी, दिल्ली।

ये उत्कृष्टता केन्द्र उद्योगों के साथ भागीदारी से चल रहे हैं। इन उत्कृष्टता केन्द्रों में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों का उद्योग भागीदारों (जिन्हें स्कीम के अंतर्गत वाणिज्यीकरण का पहला अधिकार है) द्वारा वाणिज्यीकरण किया जा रहा है।
